हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं-ं

रंग-रूप, वेष-भूषा सब चाहे अनेक

बेला, गुलाब, जूही,चंपा, चमेली-

प्यारे-प्यारे फूल गूंथे माला में एक हैं-

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं-

रंग-रूप,वेष-भूषा सब चाहे अनेक है-

कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर की न्यारी-

गा रही तराना बुलबुल,राग मगर एक हैं-

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं-

रंग-रूप,वेष-भूषा सब चाहे अनेक हैं – गंगा, जमुना, ब्रम्हपुत्र, क्रष्णा, कावेरी-

जाकर मिल गयी सागर हुयी सब एक हैं-

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं-

रंग-रूप, वेष-भूषा सब चाहे अनेक हैं.